

तो कितना किराया वसूल किया जायेगा और दूसरे यह कि एम० पी० के इस कारण जो फ्लैट्स खाली हो जायेंगे उनका क्या उपयोग किया जायगा ?

**अध्यक्ष महोदय :** उसको देखा जायगा ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** अध्यक्ष महोदय, प्वाइंट आफ आर्डर, मेरे सवाल का उत्तर उनकी ओर से जाना चाहिए ।

**अध्यक्ष महोदय :** कोई प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है ।

**Shri Kapur Singh:** I insist on communicating to the hon. Minister that these rooms are more suitable for keeping poultry than for putting up gentlemen. He says they are not going to have air-conditioning equipment normally put there.

**Mr. Speaker:** Order, order.

**Shri Ranga:** In view of the fact that the late Pandit Motilal Nehru stayed there, and so many other distinguished patriots of our country also stayed there, and the Motilal Nehru Centenary Committee and the country in general took interest in placing a plaque and statue in Western Court, and also considering its architectural beauty, which has not been equalled by any of the new buildings that the Government of India have been able to put up....

**Shri Hari Vishnu Kamath:** Classical columns.

**Shri Ranga:** ...why is it that Government should think of converting it into a hotel, a commercial concern, instead of encouraging MPs to continue to remain there, in addition to the other buildings where accommodation is being provided for Members?

**Shri Mehr Chand Khanna:** The question is entirely of a hypothetical nature. I will go on repeating myself, that the whole matter will be examined by the Speaker along with the two House Committee's Chairmen.

कलकत्ता में करेंसी नोटों का पकड़ा जाना

\* 663. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में आयकर विभाग द्वारा कलकत्ता में अगस्तला स्ट्रीट के एक गोदाम में मारे गये छापे के दौरान कलकत्ता नगर पुलिस ने काली मिर्च की बोरियों में 19 लाख रुपये के करेंसी नोट पकड़े थे ;

(ख) यदि हाँ, तो घटना का ब्योरा क्या है ; और

(ग) मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

वित्त मंत्रालय में उमंत्रो (श्री रामेश्वर साहू) : (क) जी हाँ ।

(ख) 6 और 7 नवम्बर, 1964 को आयकर विभाग ने कलकत्ता की पुलिस की सहायता से कलकत्ता में मसालों का व्यवसाय करने वाली एक फर्म के गोदाम की तलाशी ली थी । तलाशी लेते समय गोदाम में तीन बोरियों से 18,83,700 रुपये के करेंसी नोट मिले थे । एक दूसरे बोरे में छिपा कर रखे गये बहुत से कागजात भी बरामद किये गये थे । नगदी और कागजात पुलिस द्वारा जब्त कर लिये गये हैं ।

(ग) पुलिस ने भारत रक्षा नियमों के अधीन फर्म के साझेदारों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है । फर्म द्वारा छिपायी गयी आय के बारे में फर्म पर आयकर निर्धारित कर दिया गया है और 19,99,890 रुपये की मांग की गयी है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने इस फर्म को इससे पहले भी इस प्रकार के नकली नोट चलाने के वास्ते पकड़ा था, यदि हाँ तो उनको कितनी बार और कितना दंड दिया गया था ?

श्री रामेश्वर साहू : पहले एसी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी ।

श्री हुकूम चन्द कछवाय : मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या इस सम्बन्ध में कुछ राजनैतिक दलों का हाथ है, यदि हाँ, तो वे कौन कौन दल हैं और वह कौन कौन से देश हैं ?

श्री रामेश्वर साहू : किसी पार्टी का हाथ इसमें नहीं है ।

**Dr. Ranen Sen:** Is it a fact that recently, within the last month or so, some searches have been made in Calcutta, and a certain amount of money has been recovered; if so, what are the names of the firms, and what is the amount recovered?

**The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat):** It is true that a number of searches have been made in some other places also, and some money has been recovered. For a detailed statement, I would like to have a separate notice.

श्री हुकूम चन्द कछवाय : मेरे प्रश्न के दूसरे भाग का उत्तर नहीं आया ।

अध्यक्ष महोदय : दो प्रश्न आप कर चुके अब आप फिर खड़े हो गये हैं ।

श्री हुकूम चन्द कछवाय : मैं ने पूछा था कि इस में विदेशियों का हाथ है, यदि है तो किन किन का है, इस का उत्तर उन्होंने नहीं दिया है ?

अध्यक्ष महोदय : कह दिया है कि नहीं है ।

श्री रघुनाथ सिंह : मैं यह जानना चाहता हूँ कि काली मिर्च के बोरों में से यह जो लाखों रुपये के करेसी नोट निकले थे, तो यह काली मिर्च आई कहां से थी और क्या जहां से यह काली मिर्च आई थी वहां पर भी क्या इस सम्बन्ध में कोई तलाशी ली गई है ?

श्री ब० रा० भगत : यह काली मिर्च की बोरियों में से जो 19 लाख रुपये के करेसी नोट निकले हैं यह काली मिर्च का व्यापार करने वाली एक फर्म है, अब रह गया यह कि यह काली मिर्च कहां से आई थी इसका पता नहीं है ।

श्री रघुनाथ सिंह : उस फर्म का नाम क्या है ?

श्री ब० रा० भगत : उस फर्म का नाम है दयालजी भवानजी फर्म जाँ कि काली मिर्च का व्यापार करने वाली एक फर्म है ।

श्री रघुनाथ सिंह : जब यहाँ काली मिर्च के बोरों में से यह करेसी नोट निकले हैं तो जहाँ से यह आई थी पुलिस को वहाँ भी इसकी जांच पड़ताल करनी चाहिए थी ।

श्री ब० रा० भगत : इसका खयाल रखेंगे ।

**Shri Sham Lal Saraf:** Since this black money has been traced, may I know what enquiries have been made so far in order to ascertain the sources of this money?

**Shri B. R. Bhagat:** Along with that, the books of accounts have been seized. The money has been made as a result of undeclared profits. There is no other source.

**Shri Morarka:** Is it a fact that this party has gone to court complaining that the amount seized was much more than the amount actually declared before that person?

**Shri B. R. Bhagat:** They had gone to court, but they had not made this allegation.

श्री काशी राम गुप्त : यह फर्म कितने दिनों से काम कर रही है और इसकी लागत पूंजी कितनी है ?

अध्यक्ष महोदय : अब इन डिटेल्स को जान कर आप क्या करेंगे ?

श्री काशी राम गुप्त : यह फर्म कितने दिनों से काम कर रही है और उसका सरमाया कितना है यह तो जानने की बात है ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री मधु लिमैया : यह जो छापे मारने का सिलसिला है यह कलकत्ते और बम्बई में असें से चल रहा है और तरह तरह की अफवाहें फैल रही हैं तो क्या सम्बन्धित मंत्री इसका ब्यौरा सदन के सामने रखेंगे कि कितने लोगों के घर में छापे मारे गये, कुल कितने करेंसी नोट मिले और कितने लोगों के ऊपर केस दाखिल हो रहा है ?

श्री ब० रा० भगत : इस का ब्यौरा अगर माननीय सदस्य अलग से एक सूचना देंगे तो मैं उसे रख दूंगा ।

श्री बड़े : यह जो 19 लाख रुपया मिला है और जिसके लिए कि आप ने कहा कि वह सीज कर लिया गया है और उनका चालान पेश कर दिया है तो यह तो ठीक ही है लेकिन उनकी एकाउंट बुक्स में ब्लैक मनी की इंट्री मिलेगी नहीं यह साधारण अनुभव वकीलों का है । इसलिए क्या यह क्रौस एंट्रीज देष कर दूसरी फर्म्स की एकाउंट बुक्स को भी देखने का सरकार ने प्रयास किया है ?

श्री ब० रा० भगत : उन फर्म्स में तलाशी लेने की जरूरत पड़ेगी तो वहां भी ले लेंगे लेकिन अभी उसकी जरूरत नहीं समझी गई है ।

श्री क० ना० तिवारी : अब तक किन बड़े बड़े शहरों में इस तरह के छापे मारे गये हैं और जिन फर्मों में यह छापे मारे गये हैं उन के क्या क्या नाम हैं ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो सवाल खाली एक फर्म की बाबत है ।

Shri Bhagwat Jha Azad: We would like to know whether, in order to better appreciate what the Govern-

ment is doing, a White Paper on black money would be laid on the Table of the House.

Mr. Speaker: Would he place a paper on the Table of the House?

श्री बड़े : अध्यक्ष महोदय, आप ने यह क्वैस्टियन एलाऊ किया है, लेकिन कोई जवाब नहीं आया है ।

Mr. Speaker: Is there any intention to lay a statement on the Table about all these seizures that have been made?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): It is very difficult to give an assurance about that. If it is a question of giving individual information, there is some difficulty until the whole thing is proved. But from time to time, I think we give a gist of what is being done. Early next session we will give an indication of the number of searches conducted; we will consider that.

अध्यक्ष महोदय : श्री श्रींकार लाल बेरवा ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है । इस को बाद में ले लिया जाये ।

अध्यक्ष महोदय : श्री सुबोध हंसदा ।

#### Hotels

+

\*665. { Shri Subodh Hansda:  
Shri Pottekkatt:

Will the Minister of Works and Housing be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have under consideration a scheme to construct a large number of hotels of larger accommodation in the cities of Bombay, Calcutta, Madras, Ernakulam and Delhi to accommodate the tourist traffic; and

(b) if so, the broad outlines of this scheme?